विश्व के युवाओं से अलग न्यारे और निराले, प्रभु पालना में पलने वाले, परमात्म भुजाओं रूपी युवाओं का यह अनूठा संगठन है। आज विश्व के युवा अनेक भ्रान्तियों में दिशाहीन होकर भटक रहे हैं वही भगवान की छत्रछाया में भगवान का हाथ और साथ लेकर, अपन जीवन की नैया का खिवैया उसको बनाकर आप युवा आदर्श और अलौकिक युवा बन गये हैं और अन्य युवाओं के लिए उदाहरण और सच्चे मार्गदर्शक बन गये हैं। ऐसे अलौकिक प्रभु पसंद युवा जिनके जीवन की गाड़ी बाप दादा के डबल इंजन के फोर्स से उत्साह और लगन की पटरी पर अपने पावन लक्ष्य की तरफ दौड़ रही है और सभी को इस मंजिल पर अपने साथ ले चलने के लिए ये यूथ रेल आज हम सभी के बीच भी पहुँच गई है। हम सभी इस रूहानी यूथ एक्सप्रेस के राही बन जायें। इस यूथ रेल में पाँच डिब्बे यूथ शब्द के पाँच अक्षरों को प्रकट करते हैं जो अलौकिक यूथ के जीवन की पाँच विशेषताओं के प्रतीक हैं।

## Y – Young

युवा सदा वायु सा हल्का, सपना यही सुनहरे कल का
बाल-वृद्ध का यही सहारा, युवा नाम है आत्म-बल का
उमंग-उत्साह के पंख लगाये, युवा सदा उड़ता ही जाये
नहीं असंभव कुछ भी जाने, ठान ले जो वो कर दिखलाये।।
***(गीतः हम हैं नये, अंदाज क्यों हो पुराना……)***

## O – Optimistic

युवा वही जो हर मन में आशा के दीप जलाये
आशाओं का सूरज बन जग के अंधियार मिटाये
पर्दे में असफलता के जो छिपी सफलता पाये
संशय के बादल में जो आशा की किरण दिखाये।।
युवा वही कहलाये..युवा वही कहलाये।।
***(गीतः दिल है छोटा-सा..छोटी सी आशा)***

U – Unity

प्रेम, एकता जिसका नारा,

युवा वही है सबका प्यारा

एकता का दूसरा नाम है युवा,

संगठन की शक्ति की पहचान है युवा

***(गीतः बार-बार हाँ बोलो यार हाँ अपनी जीत हो, उनकी हार हो***

***कोई हमसे जीत ना पाये)***

T – Truthfulness

सत्यता की नाव पर जो सदा है सवार

वही युवा है जगत का सच्चा कर्णधार

सत्यता की शक्ति युवा का आधार है

सत्यम शिवम सुंदरम भी युवा पर बलिहार है

***(गीतः सत्य पथ के राहियो…मशाल थाम लो..)***

H – Honest

संकल्प, कर्म और बोल में जो है सदा ईमानदार

आदर्श युवा कहलाने का है वही सच्चा हकदार

ईमानदारी से हर जिम्मेवारी निभाता है युवा

नम्रता से हर सफलता को गले लगाता है युवा

***(गीतः हमारे पीछे कोई आये ना आये., हमें ही तो पहले पहुँचना वहाँ है..)***

अगर यूथ अपने जीवन रूपी रेल में इन पाँच विशेषताओं के डिब्बे लगा ले और प्रभु पिता को इस रेल का इंजन बना ले तो जिस रेल का इंजन जिसका साथी और सारथी स्वयं भगवान हो, ऐसा पांडव रथ सदा निर्विघ्न और विजयी बन लक्ष्य तक अवश्य पहुंच जायेगा। ***(गीतः लक्ष्य को हर हाल में पाना है)***